उस देश की कथा

पंकज चौधरी

उस देश की कथा

पंकज चौधरी

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: नवम्बर, 2023

© पंकज चौधरी

पूज्य बाबूजी एवं पूज्या माँ

को सादर

क्रम

वे जब-जब राजपथ की ओर मुड़े	5
गोत्र	7
सचमुच	9
छोटा काम	10
कलयुग	11
वाह-वाह रे हमारा भारत महान	14
मैं कोई	15
मुझे मालूम है	16
मंत्री जी	18
यदि तुम्हारे	20
चोर और चोर	21
पर-उपदेश	23
अतिवादियों से	25

एक जवान लड़के की दुनिया 27

प्रेम 29

एक तटस्थ दार्शनिक 31

तीरंदाज 33

दूसरा भगत सिंह 35

धन कमाते नन्हे-नन्हे बच्चे 38

श्राद्ध का भोज 41

उस देश की कथा 46

वे जब-जब राजपथ की ओर मुड़े

वे जब-जब राजपथ की ओर मुड़े

उनके बारे में प्रचार किया गया कि

उनके पास हाथ तो हो सकते हैं

पर खोपड़ी कहाँ

उनके सिर पर ताज तो हो सकता है

पर वैसा गौरव कहाँ

उनकी ही पूरी दुनिया है

क्या है कोई ऐसा विश्वासभाजन?

वे दुनिया को चला तो सकते हैं

पर वैसा चालक कहीं

दुनिया के प्रति वे

वफादार भी हो सकते है

क्या हैं कोई ऐसे माननेवाले माननीय?

उनके पास कुरूपता हो सकती है

सुन्दरता नहीं

उनकी जगह नर्क में हो सकती है

स्वर्ग में नहीं

वे असुर हो सकते हैं,

सुर नहीं

उनका स्थान पदतल है

सिर-ऊपर नहीं

उनका राहु हो सकना है

चन्द्रमा नहीं!

वे कौन थे

और किनके बारे में प्रचार करने आ रहे थे

आखिर उनका मकसद क्या था?